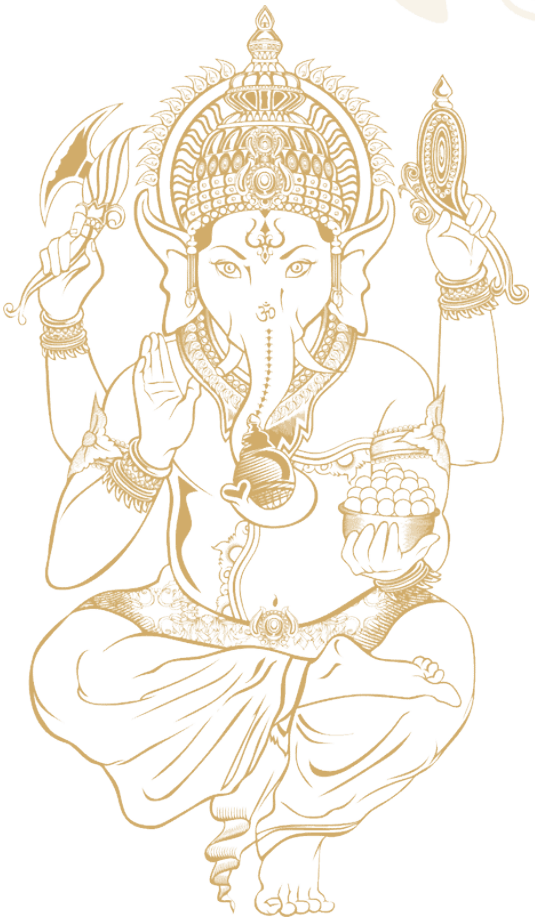

Manny chabbra

Arti jaggi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121506805

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
02/12/1991	जन्म तिथि	02/07/1998
सोमवार	दिन	गुरुवार
घंटे 09:30:00	जन्म समय	11:05:00 घंटे
घटी 06:25:37	जन्म समय(घटी)	14:11:32 घटी
India	देश	India
Meerut	स्थान	Ghaziabad
29:00:00 उत्तर	अक्षांश	28:40:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व	रेखांश	77:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:55:45	सूर्योदय	05:26:14
17:21:03	सूर्यास्त	19:22:04
23:44:55	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:03

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 3वर्ष 9मा 7दि		19:50:48	धनु	लग्न	सिंह	28:27:17	चन्द्र 1वर्ष 6मा 20दि	
गुरु		15:42:51	वृश्चि	सूर्य	मिथु	16:19:25	गुरु	
09/09/2013		29:28:58	कन्या	चंद्र	कन्या	21:15:35	20/01/2025	
09/09/2029		08:26:09	वृश्चि	मंगल	मिथु	03:21:22	20/01/2041	
गुरु	28/10/2015	29:23:50	वृश्चि व	बुध	कर्क	08:08:49	गुरु	10/03/2027
शनि	10/05/2018	19:35:29	सिंह	गुरु	मीन	03:49:16	शनि	21/09/2029
बुध	15/08/2020	01:28:52	तुला	शुक्र	वृष	15:19:52	बुध	28/12/2031
केतु	22/07/2021	09:06:52	मक	शनि	मेष	08:08:02	केतु	03/12/2032
शुक्र	22/03/2024	16:28:34	धनु व	राहु व	सिंह	09:05:23	शुक्र	04/08/2035
सूर्य	08/01/2025	16:28:34	मिथु व	केतु व	कुंभ	09:05:23	सूर्य	22/05/2036
चन्द्र	10/05/2026	18:13:52	धनु	हर्ष व	मक	18:07:28	चन्द्र	21/09/2037
मंगल	16/04/2027	21:24:25	धनु	नेप व	मक	07:30:23	मंगल	28/08/2038
राहु	09/09/2029	27:18:00	तुला	प्लूटो व	वृश्चि	11:58:34	राहु	20/01/2041

लग्न-चलित

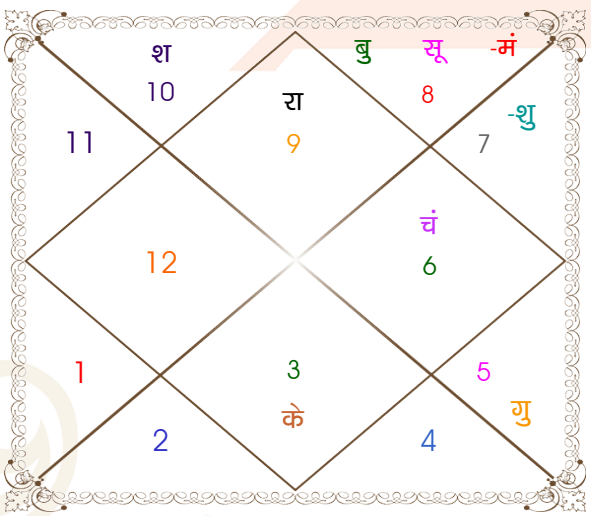

लग्न-चलित

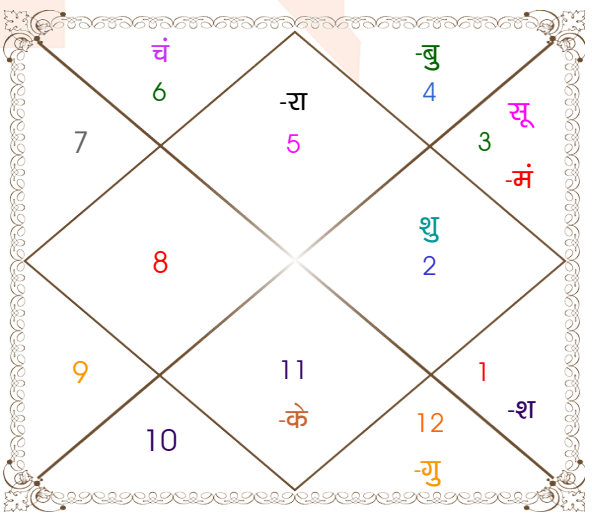

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	महिष	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

डंददल बींइइतं का वर्ग मूषक है तथा Arti jaggi का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डंददल बींइइतं और Arti jaggi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डंददल बींइइतं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डंददल बींइइतं कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डंददल बींइइतं कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Arti jaggi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Arti jaggi कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डंददल बींइइतं तथा Arti jaggi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।